RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12th | राजनीतिक विज्ञान

ई- पाठशाला

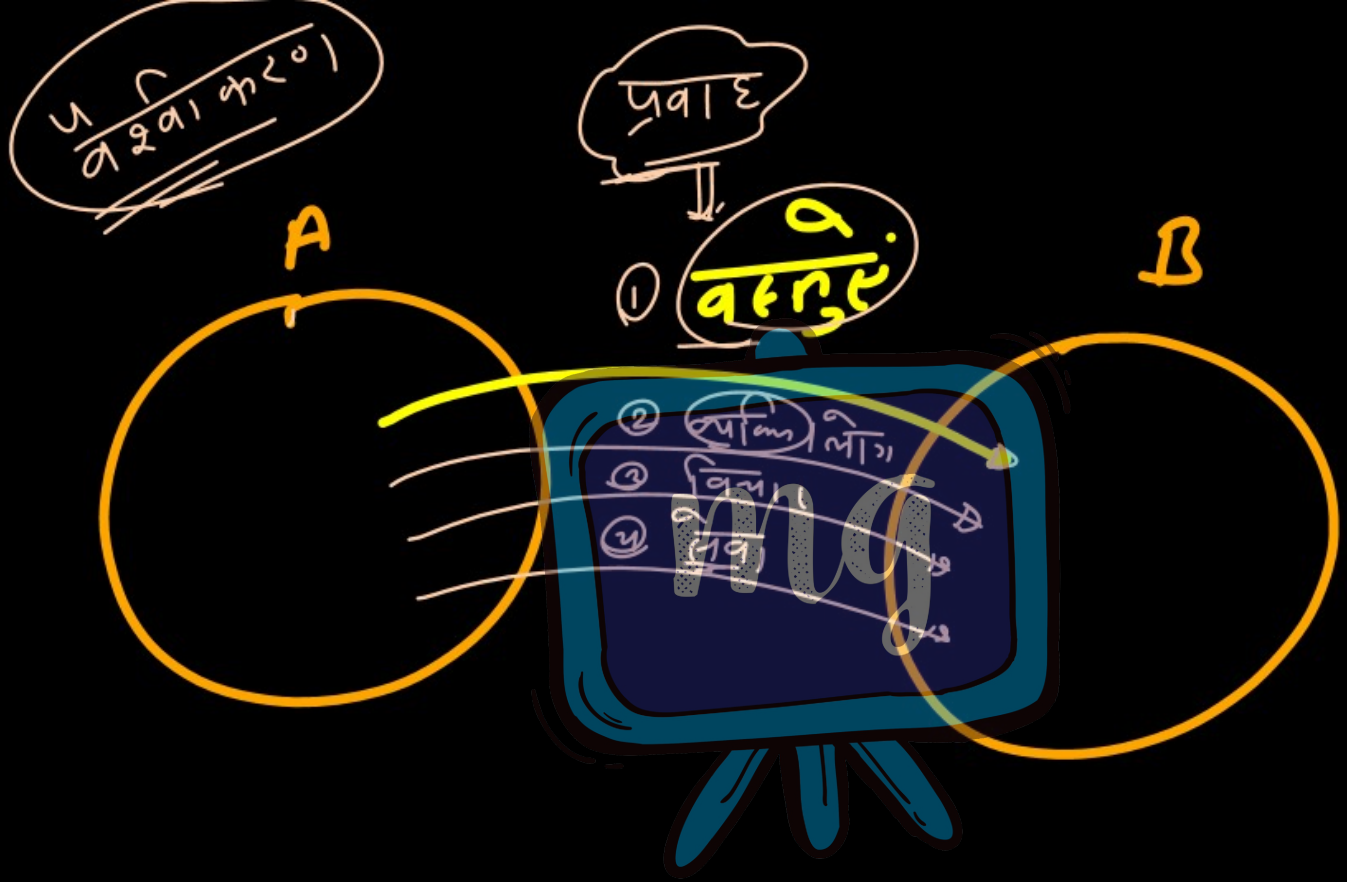
वैश्वीकरण

ONE SHOT

पूरा चैप्टर एक ही क्लास में ...

LIVE | 26 SEP | 6:30 PM




A
B
① वस्तु
② व्यक्ति/लोग
③ विचार
④ स्थान

परिचय



- वैश्वीकरण का संबंध केवल अर्थव्यवस्था से नहीं है।
- इसके राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आयाम हैं।
- वैश्वीकरण के अध्ययन में मुख्य प्रश्न–
  - वैश्वीकरण की अवधारणा
  - इसके कारण
  - इसके राजनीतिक परिणाम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके आर्थिक परिणाम
- इसके सांस्कृतिक परिणाम
- भारत पर प्रभाव
- वैश्वीकरण का प्रतिरोध

वैश्वीकरण के प्रभावों का अध्ययन करते समय उसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों को देखना आवश्यक है।

वैश्वीकरण की अवधारणा

I. वैश्वीकरण की मूल अवधारणा — 'प्रवाह'

वैश्वीकरण की बुनियादी विशेषता है–

चार प्रमुख प्रवाह

(अ) विचार

↓

विश्व के एक हिस्से के विचार दूसरे हिस्सों तक पहुँचना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ब) पूँजी

पूँजी का एक से अधिक स्थानों पर जाना

(स) वस्तुएँ

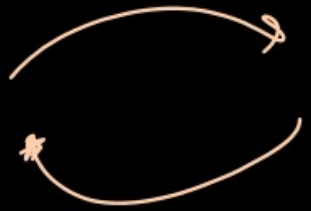
वस्तुओं का विभिन्न देशों में पहुँचना और व्यापार

(द) लोग

बेहतर आजीविका की तलाश में विभिन्न हिस्सों में आवाजाही

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



परिणाम

विचार + पूँजी + वस्तु + लोग

↓

निरंतर विश्वव्यापी प्रवाह

↓

विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव

यही वैश्वीकरण की केंद्रीय विशेषता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रवाह

II. वैश्वीकरण की प्रमुख विशेषताएँ

(i) ❖ यह एक बहुआयामी अवधारणा है।

(ii) ❖ इसके तीन प्रमुख रूप–

- राजनीतिक
- आर्थिक
- सांस्कृतिक

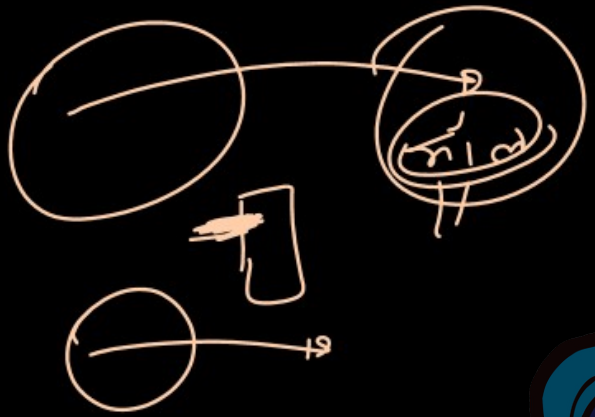
❖ इसे केवल आर्थिक परिघटना मानना गलत है।

❖ इसे केवल सांस्कृतिक परिघटना मानना भी गलत है।



- इसका प्रभाव सभी समाजों और सभी वर्गों पर समान नहीं है।
- विभिन्न क्षेत्रों में इसके प्रभाव विषम हैं।
- इसलिए वैश्वीकरण पर सर्व-सामान्य निष्कर्ष निकालने की बजाय संदर्भ-विशेष का अध्ययन आवश्यक है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

III. वैश्वीकरण हमेशा सकारात्मक नहीं

वैश्वीकरण से जुड़े उदाहरण–

(i) ❖ महँगे बहुराष्ट्रीय बीजों से जुड़ी किसानों की समस्याएँ।

(ii) ❖ भारतीय कंपनी द्वारा यूरोपीय प्रतियोगी कंपनी का अधिग्रहण।

(iii) ❖ अंतर्राष्ट्रीय खुदरा कंपनियों से छोटे दुकानदारों की रोजी-रोटी का भय।

(iv) ❖ विदेशी फिल्मों की कहानी के प्रभाव का आरोप।

❖ पश्चिमी परिधान पहनने वाली छात्राओं का विरोध।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निष्कर्ष

- वैश्वीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव हैं।
- यह केवल आर्थिक मसलों से जुड़ा नहीं है।
- प्रभाव की दिशा हमेशा धनी देश → गरीब देश ही नहीं होती।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



बहुविकल्पात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण में वस्तु, विचार और पूँजी का प्रवाह शामिल है– (RBSE-2025)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



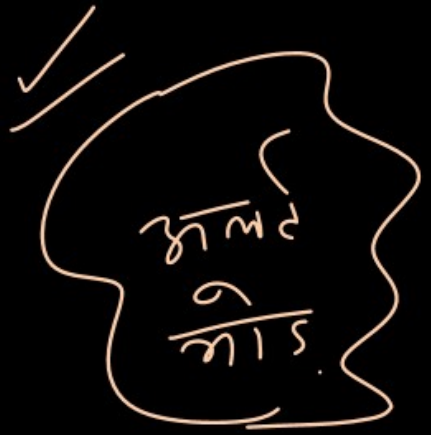
अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण का अर्थ बताइए।

(RBSE-2024, RBSE-2026)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वैश्वीकरण के कारण

I. ऐतिहासिक आधार

- विचार, पूँजी, वस्तु और लोगों की आवाजाही मानव इतिहास में पहले भी होती रही है।
- समकालीन वैश्वीकरण की विशेषता—
  - प्रवाहों की गति (↑)
  - प्रवाहों के प्रसार का धरातल (↑)
- वर्तमान वैश्वीकरण को समझने के लिए इसे ऐतिहासिक संदर्भ में देखना आवश्यक है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

II. प्रौद्योगिकी

अ. प्रमुख तकनीकी परिवर्तन

- टेलीग्राफ
- टेलीफोन
- माइक्रोचिप

ब. प्रभाव

- विश्व के विभिन्न भागों के बीच संचार की क्रांति
- विचार, पूँजी, वस्तु और लोगों की आवाजाही आसान
- सोचने के तरीकों पर प्रभाव
- सामूहिक जीवन के बारे में सोच पर प्रभाव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

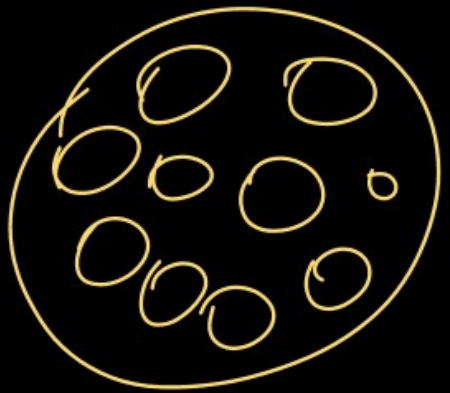


स. प्रवाह की गति में अंतर

- वैश्वीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव हैं।
- यह केवल आर्थिक मसलों से जुड़ा नहीं है।
- प्रभाव की दिशा हमेशा धनी देश → गरीब देश ही नहीं होती।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



III. पारस्परिक जुड़ाव की चेतना

केवल तकनीकी साधन ही वैश्वीकरण का कारण नहीं हैं।

महत्त्वपूर्ण परिवर्तन–

विश्व के विभिन्न हिस्सों के लोग यह समझने लगे हैं कि वे परस्पर जुड़े हैं।

उदाहरण–

- बर्ड फ्लू
- सुनामी
- बड़ी आर्थिक घटनाएँ

इनका प्रभाव किसी एक राष्ट्र या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

किस प्रौद्योगिकी ने राष्ट्रवाद की आधारशिला रखी?

(Model Paper-2025)



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



बहुविकल्पात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका किसकी रही? (RBSE-2025)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण के लिए उत्तरदायी दो कारक बताइए।

(RBSE-2026)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



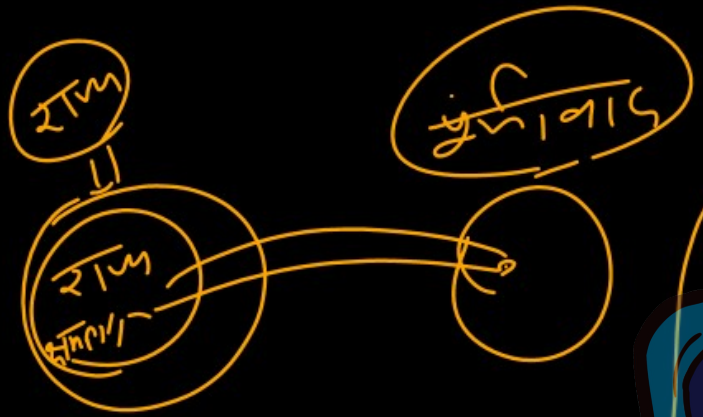
लघूत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण में प्रौद्योगिकी का क्या योगदान है?

(Model Paper-2023)

वैश्वीकरण का अर्थ बताते हुए उसके कारणों की विवेचना कीजिए।

(RBSE-2023, Model Paper-2024)



राजनीतिक प्रभाव

वैश्वीकरण और राज्य की भूमिका को तीन पहलुओं से समझा जा सकता है।

I. राज्य की क्षमता में कमी

अ. पारंपरिक स्थिति

कल्याणकारी राज्य

ब. परिवर्तन

कल्याणकारी राज्य

↓

न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य



स. राज्य के मुख्य कार्य सीमित

- कानून और व्यवस्था
- नागरिकों की सुरक्षा

द. परिणाम

- आर्थिक और सामाजिक कल्याण के कई कार्यों से राज्य पीछे हटता है।
- बाजार आर्थिक एवं सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक बनता है।
- बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका बढ़ती है।
- सरकारों की स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता कम होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



II. राज्य अभी भी महत्त्वपूर्ण

वैश्वीकरण के बावजूद–

- राजनीतिक समुदाय के आधार के रूप में राज्य की प्रधानता बनी हुई है।
- विभिन्न देशों के बीच ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता मौजूद है।
- राज्य अभी भी–
  - कानून और व्यवस्था
  - राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनिवार्य कार्य करते हैं।

राज्य अपनी इच्छा के अनुसार कुछ क्षेत्रों से पीछे हटते हैं।

III. कुछ क्षेत्रों में राज्य की शक्ति बढ़ी

प्रौद्योगिकी के कारण–

- राज्य नागरिकों के बारे में सूचनाएँ जुटा सकता है।
- सूचना के आधार पर अधिक कारगर तरीके से कार्य कर सकता है।
- राज्य की प्रशासनिक क्षमता बढ़ सकती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभावों की विवेचना कीजिए।

(Model Paper-2026)



आर्थिक प्रभाव

I. आर्थिक वैश्वीकरण का स्वरूप

आर्थिक वैश्वीकरण से जुड़ी प्रमुख संस्थाएँ–

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)
- विश्व व्यापार संगठन (WTO)

लेकिन आर्थिक वैश्वीकरण केवल इन संस्थाओं तक सीमित नहीं है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

इसे समझने के लिए यह देखना आवश्यक है–

- किसे सबसे अधिक लाभ मिला?
- किसे कम लाभ मिला?
- किसे नुकसान हुआ?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6:30 pm

II. आर्थिक प्रवाहों में वृद्धि

आर्थिक वैश्वीकरण में विभिन्न देशों के बीच आर्थिक प्रवाह तेज होते हैं।

प्रवाह

1. वस्तुएँ
2. पूँजी
3. जनता
4. विचार

कुछ प्रवाह–

- स्वेच्छा से
- कुछ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और ताकतवर देशों द्वारा लादे गए

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

III. व्यापार पर प्रतिबंधों में कमी

पहले–

- विभिन्न देश आयात पर अधिक प्रतिबंध लगाते थे।

अब–

- आयात प्रतिबंध कम हुए।
- पूँजी की आवाजाही पर भी प्रतिबंध कम हुए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

परिणाम

धनी देशों के निवेशकर्ता

↓

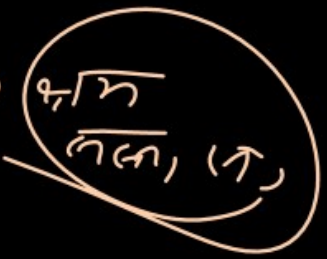
अन्य देशों में निवेश

↓

विशेषकर विकासशील देशों में

↓

अधिक मुनाफे की संभावना



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

IV. विचारों का मुक्त प्रवाह

- राष्ट्र की सीमाएँ विचारों के लिए कम बाधक बनीं।
- इंटरनेट और कंप्यूटर आधारित सेवाओं का विस्तार इसका उदाहरण है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



V. लोगों की आवाजाही अपेक्षाकृत सीमित

(i) वस्तुओं और पूँजी का प्रवाह तेजी से बढ़ा।

(ii) लोगों की आवाजाही उसी अनुपात में नहीं बढ़ी।

(iii) विकसित देश अपनी वीजा-नीति के माध्यम से सीमाओं पर नियंत्रण रखते हैं।

VI. आर्थिक वैश्वीकरण : विषम परिणाम

समान आर्थिक नीति ≠ समान परिणाम

- विभिन्न देशों ने एक जैसी आर्थिक नीतियाँ अपनाईं।
- फिर भी अलग-अलग क्षेत्रों में परिणाम अलग रहे।
- इसलिए आर्थिक वैश्वीकरण का मूल्यांकन संदर्भ-विशेष में आवश्यक है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

VII. आर्थिक वैश्वीकरण पर बहस

अ. आलोचकों के तर्क

- सरकारें कुछ सामाजिक जिम्मेदारियों से पीछे हट रही हैं।
- सामाजिक न्याय को खतरा।
- लाभ केवल आबादी के एक छोटे हिस्से को मिल सकता है।
- सरकार पर निर्भर गरीब लोगों की स्थिति खराब हो सकती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



VIII. सामाजिक सुरक्षा-कवच

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर वैश्वीकरण के दुष्प्रभाव कम करने हेतु–

सांस्थानिक उपाय

↓

सामाजिक सुरक्षा-कवच

लेकिन कई आंदोलनों का मत–

- केवल सामाजिक सुरक्षा-कवच पर्याप्त नहीं।
- बलपूर्वक किए जा रहे वैश्वीकरण को रोकना चाहिए।
- गरीब देशों और विशेषकर गरीब लोगों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

IX. आर्थिक वैश्वीकरण के समर्थकों के तर्क

(i) • वैश्वीकरण से समृद्धि बढ़ती है।

(ii) • खुलेपन से अधिक आबादी की खुशहाली बढ़ती है।

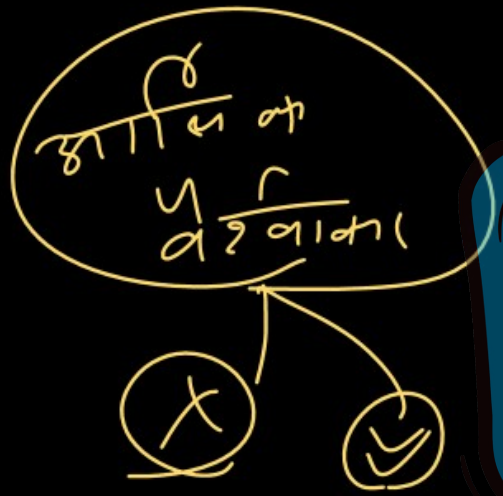
(iii) • व्यापार में वृद्धि से प्रत्येक देश को बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिलता है।

(iv) • इससे पूरी दुनिया को लाभ हो सकता है।

(v) • आर्थिक वैश्वीकरण को अपरिहार्य माना जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मध्यमार्गी दृष्टिकोण

- वैश्वीकरण ने चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं।

इनका सामना सजगता, सचेतता और बुद्धिमत्ता से किया जाना चाहिए।

प्रमुख प्रवृत्ति

वैश्वीकरण

↓

पारस्परिक निर्भरता में तेजी

↓

सरकार + व्यवसाय + लोगों के बीच जुड़ाव में वृद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

आर्थिक वैश्वीकरण का एक लाभ लिखिए।

(Model Paper-2023)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण के कारण वस्तुओं और पूँजी की तुलना में लोगों का प्रवाह कम क्यों हुआ?

(RBSE-2026)



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव बताइए।

(RBSE-2024)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव बताइए।

(RBSE-2025)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



निबंधात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभावों की विवेचना कीजिए।

(RBSE-2025)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सांस्कृतिक प्रभाव



वैश्वीकरण का असर—

- खान-पान
- पहनावा
- सोच
- पसंद-नापसंद
- जीवनशैली तक दिखाई देता है।

मुख्य बहस–

वैश्वीकरण → सांस्कृतिक समरूपता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

I. सांस्कृतिक समरूपता

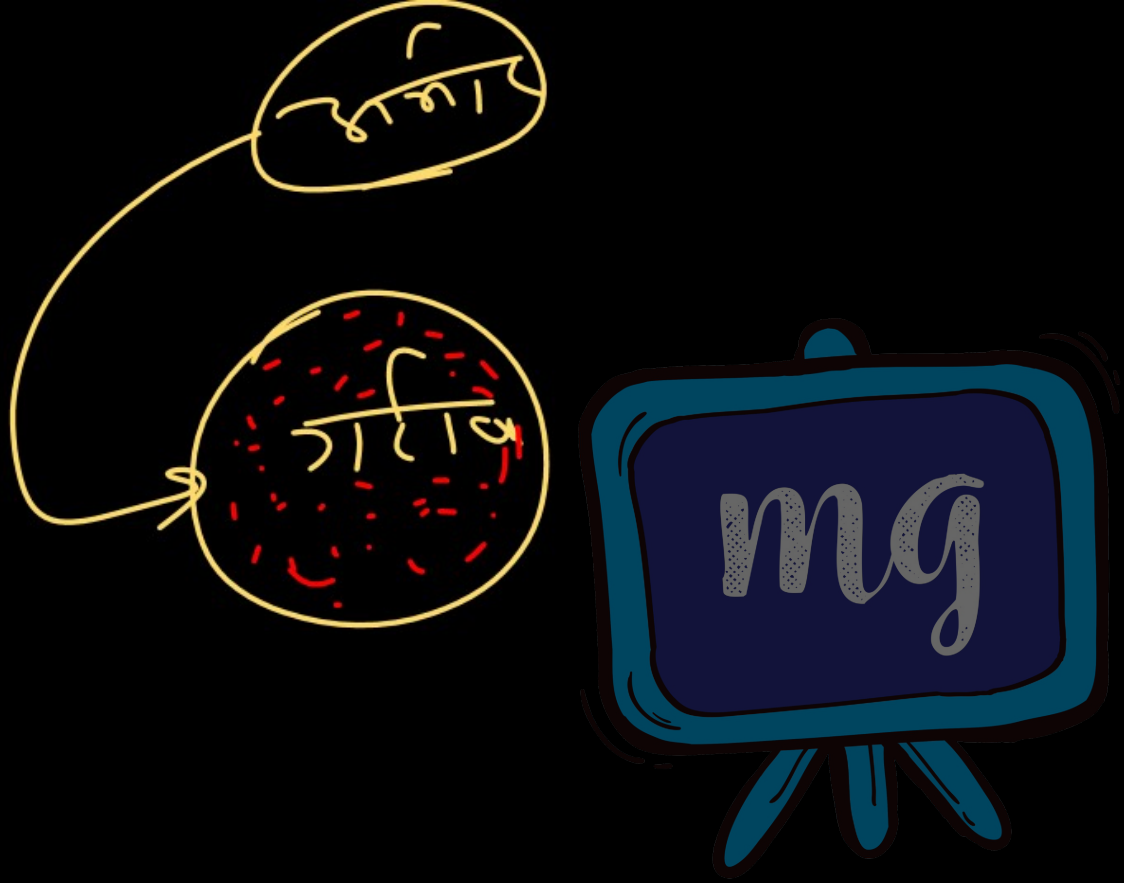
क. अर्थ

वैश्वीकरण के कारण अलग-अलग संस्कृतियों का एक समान ढर्रे की ओर बढ़ना।

ख. सांस्कृतिक समरूपता ≠ विश्व-संस्कृति का उदय

बल्कि आलोचकों के अनुसार–

- पश्चिमी संस्कृति का अन्य समाजों पर प्रभाव बढ़ता है।
- राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से प्रभुत्वशाली संस्कृति कमजोर समाजों पर छाप छोड़ती है।


mg

ग. उदाहरण

- बर्गर
- नीली जीन्स
- अमरीकी जीवनशैली

घ. 'मैक्डोनॉल्डीकरण'

- विभिन्न संस्कृतियों का प्रभुत्वशाली अमरीकी ढर्रे के अनुसार ढलना।

ङ. आशंका

(i)

- विश्व की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है।
- इसका प्रभाव केवल गरीब देशों पर नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर पड़ सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

II. सांस्कृतिक प्रभाव केवल नकारात्मक नहीं



- संस्कृति जड़ वस्तु नहीं है।
- हर संस्कृति बाहरी प्रभाव स्वीकार करती रहती है।
- कुछ बाहरी प्रभाव नकारात्मक हो सकते हैं।
- कुछ प्रभाव पसंद-नापसंद का दायरा बढ़ाते हैं।
- बाहरी प्रभाव पारंपरिक मूल्यों को छोड़े बिना संस्कृति का परिष्कार भी कर सकते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उदाहरण

बर्गर + मसाला डोसा

→ भोजन की पसंद का विस्तार

नीली जींस + खादी का कुर्ता

→ बाहरी और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

III. सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण

वैश्वीकरण का एक प्रभाव–

सांस्कृतिक समरूपता

इसके विपरीत प्रभाव–

सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण



अर्थ

- प्रत्येक संस्कृति का अधिक अलग और विशिष्ट बनना।
- सांस्कृतिक प्रभाव हमेशा एकतरफा नहीं होता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



बहुविकल्पात्मक प्रश्न

बर्गर और नीली जीन्स की लोकप्रियता किस देश की जीवन-शैली से जुड़ी है? (Model Paper-2026)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



‘मैकडोनॉल्डीकरण’ किस देश की ओर इंगित करता है?

(RBSE-2026)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव बताइए।

(RBSE-2025)

भारत और वैश्वीकरण

भारत में पूँजी, वस्तु, विचार और लोगों की आवाजाही का इतिहास कई सदियों पुराना है।

I. औपनिवेशिक दौर

ब्रिटिश साम्राज्यवाद के परिणामस्वरूप भारत–

आधारभूत वस्तु और कच्चा माल

→ निर्यात करता था

बने-बनाए सामान

→ आयात करता था



II. स्वतंत्रता के बाद

ब्रिटिश अनुभव से सबक लेकर भारत ने–

i. दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया।

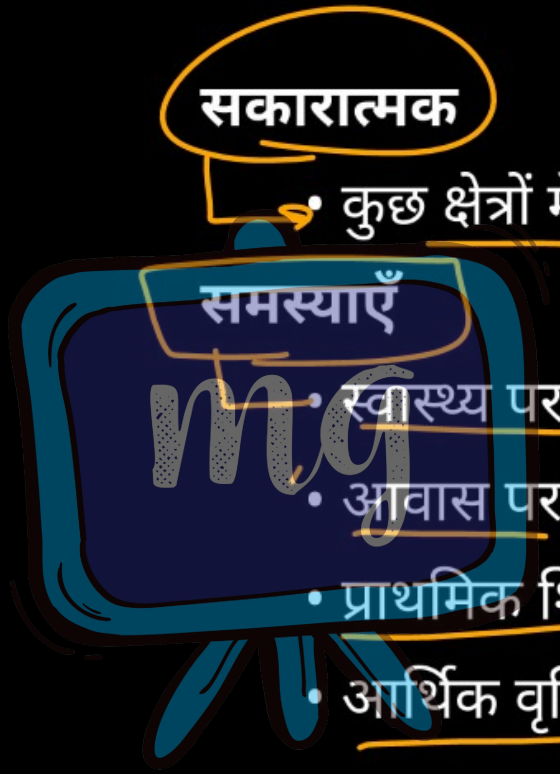
ii. स्वयं सामान बनाने का निर्णय लिया।

- घरेलू उत्पादकों को विकसित करने के लिए बाहरी वस्तुओं से संरक्षण दिया।

संरक्षणवाद के परिणाम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सकारात्मक

- कुछ क्षेत्रों में प्रगति।

समस्याएँ

- स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं।
- आवास पर पर्याप्त ध्यान नहीं।
- प्राथमिक शिक्षा पर पर्याप्त ध्यान नहीं।
- आर्थिक वृद्धि की दर धीमी रही।



III. 1991 के आर्थिक सुधार

अ. कारण

- वित्तीय संकट से उबरना।
- आर्थिक वृद्धि की ऊँची दर प्राप्त करना।

ब. प्रमुख कदम

विभिन्न क्षेत्रों पर लगी बाधाएँ हटाई गईं।

इनमें शामिल–

- व्यापार
- विदेशी निवेश

स. मूल्यांकन की कसौटी

केवल ऊँची वृद्धि-दर पर्याप्त नहीं।

अंतिम कसौटी -

आर्थिक बढ़वार के लाभों में सबकी भागीदारी

↓

सभी की खुशहाली

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

भारत में नए आर्थिक सुधार कब शुरू हुए?

(Model Paper-2024)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निबंधात्मक प्रश्न

वैश्वीकरण की आर्थिक परिणतियाँ तथा भारत पर उसके प्रभाव बताइए। (Model Paper-2025)



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वैश्वीकरण का प्रतिरोध

वैश्वीकरण एक बहसतलब मुद्दा है।

इसके विरोध में अलग-अलग वैचारिक समूहों के अलग-अलग तर्क हैं।

I. वामपंथी आलोचना

वामपंथी राजनीतिक दृष्टिकोण के अनुसार—

(i) मौजूदा वैश्वीकरण विश्वव्यापी पूँजीवाद की एक खास अवस्था है।

(ii)
- इससे धनिक और अधिक धनी होते हैं।
- गरीब और अधिक गरीब होते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- राज्य के कमजोर होने से गरीबों के हितों की रक्षा करने की क्षमता घटती है।

II. दक्षिणपंथी आलोचना

मुख्य चिंताएँ–

अ. राजनीतिक

- राज्य का कमजोर होना।

ब. आर्थिक

कुछ क्षेत्रों में फिर से–

- आर्थिक आत्मनिर्भरता
- संरक्षणवाद स्थापित करने की इच्छा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स. सांस्कृतिक

- पारंपरिक संस्कृति का ह्रास।
- पुराने जीवन-मूल्यों और तौर-तरीकों का नुकसान।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

III. वैश्वीकरण-विरोधी आंदोलन

महत्त्वपूर्ण तथ्य–

- वैश्वीकरण-विरोधी आंदोलन भी विश्वव्यापी नेटवर्क में भाग लेते हैं।
- समान सोच वाले दूसरे देशों के लोगों से गठजोड़ करते हैं।
- कई आंदोलन वैश्वीकरण की मूल धारणा का विरोध नहीं करते।
- वे वैश्वीकरण के ऐसे विशिष्ट कार्यक्रमों का विरोध करते हैं जिन्हें वे साम्राज्यवाद का रूप मानते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

IV. सिएटल विरोध प्रदर्शन – 1999

- विश्व व्यापार संगठन की मंत्री-स्तरीय बैठक सिएटल में हुई।
- बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन।
- विरोध का मुख्य कारण–
  - आर्थिक रूप से शक्तिशाली देशों द्वारा

विरोधियों के अनुसार–

- उभरती वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में विकासशील देशों के हितों को पर्याप्त महत्त्व नहीं मिला।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



V. वर्ल्ड सोशल फोरम (WSF)

अ. परिचय

- नव-उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध का विश्वव्यापी मंच।

ब. इससे जुड़े समूह

- मानवाधिकार कार्यकर्त्ता
- पर्यावरणवादी
- मजदूर
- युवा
- महिला कार्यकर्त्ता

स. प्रमुख बैठकें

- 2001 → पहली बैठक → पोर्टो अलगरे, ब्राजील
- 2004 → चौथी बैठक → मुंबई
- फरवरी 2024 → बैठक → नेपाल



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



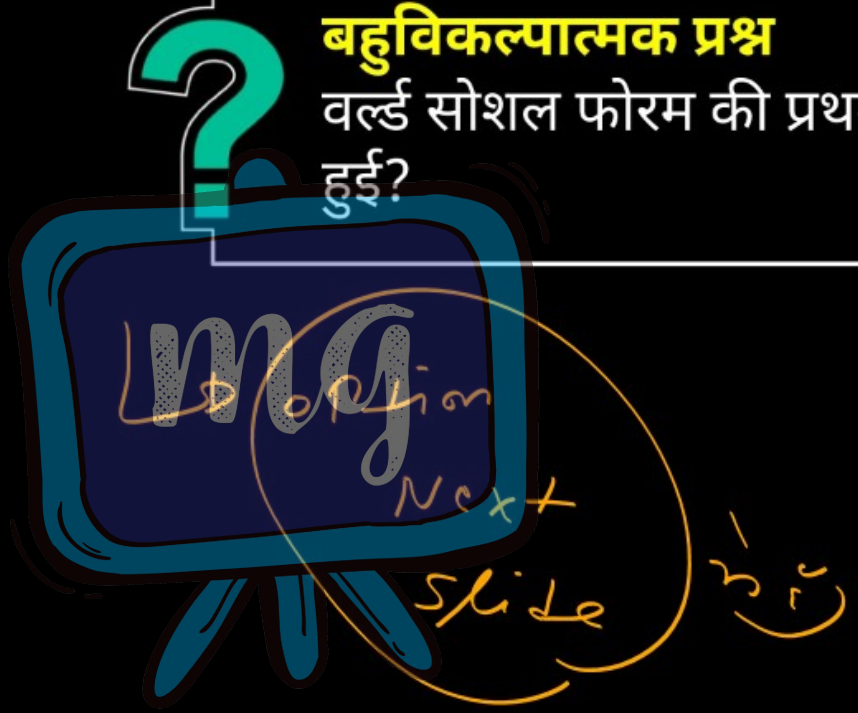
वर्ल्ड सोशल फोरम की पहली बैठक कब हुई?
(Model Paper-2024)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

वर्ल्ड सोशल फोरम की प्रथम बैठक किस देश में हुई?
(RBSE-2024)

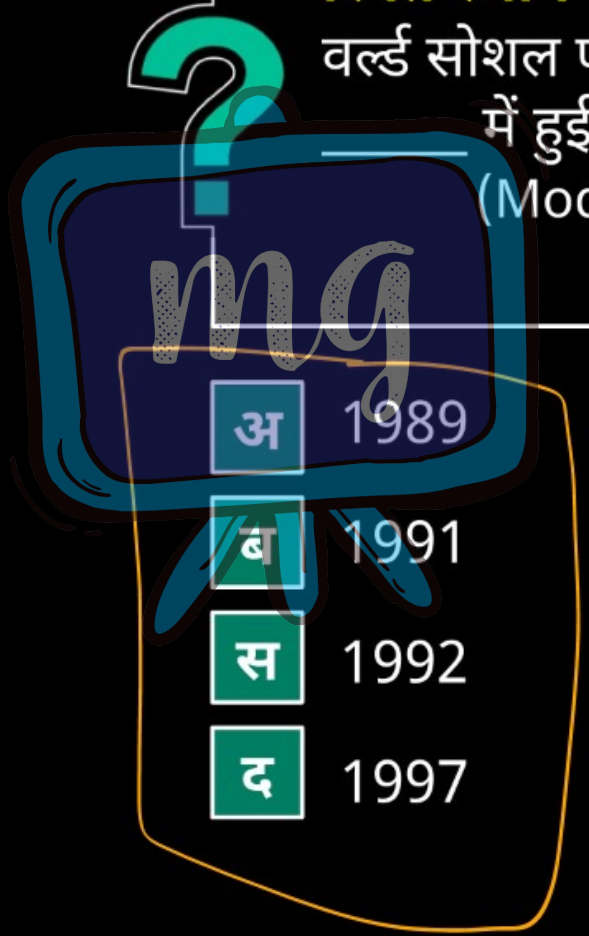


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थान

वर्ल्ड सोशल फोरम की पहली बैठक 2001 में ____ में हुई।
(Model Paper-2026, RBSE-2026)



अ 1989

ब 1991

स 1992

द 1997

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



रिक्त स्थान

नव-उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध में विश्वव्यापी मंच _____ है। (RBSE-2025)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



रिक्त स्थान

वर्ल्ड सोशल फोरम की चौथी बैठक _____ में मुंबई में हुई। (RBSE-2024)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

विश्व सामाजिक मंच के कार्यकर्ता किसका विरोध करते हैं? (Model Paper-2023)

भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध

भारत में विरोध कई स्तरों से हुआ।

I. आर्थिक वैश्वीकरण के खिलाफ

अ. वामपंथी पक्ष

- राजनीतिक दल
- इंडियन सोशल फोरम

ब. औद्योगिक एवं किसान संगठन

- बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रवेश का विरोध।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स. पेटेन्ट संबंधी विरोध

- 'नीम' जैसी वनस्पतियों को अमरीकी और यूरोपीय फर्मों द्वारा पेटेन्ट कराने के प्रयासों का विरोध।

द. दक्षिणपंथी विरोध

सांस्कृतिक प्रभावों का विरोध–

- विदेशी टी.वी. चैनल
- वैलेन्टाईन-डे
- छात्र-छात्राओं में पश्चिमी पोशाकों के प्रति बढ़ती रुचि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में वैश्वीकरण के प्रतिरोध में किसकी भूमिका रही है? (Model Paper-2026)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

भारत में वैश्वीकरण का प्रतिरोध किन आधारों पर हुआ?

(Model Paper-2026)

वैश्वीकरण : पक्ष और विपक्ष	
वैश्वीकरण के समर्थन में	वैश्वीकरण की आलोचना
आर्थिक समृद्धि बढ़ सकती है	आर्थिक असमानता बढ़ सकती है
व्यापार के अवसर बढ़ते हैं	कमजोर वर्गों पर दुष्प्रभाव
खुलेपन से खुशहाली बढ़ सकती है	राज्य की कल्याणकारी भूमिका कम
सरकार, व्यवसाय और लोगों का जुड़ाव बढ़ता है	बहुराष्ट्रीय निगमों का प्रभाव बढ़ता है
सांस्कृतिक पसंद का दायरा बढ़ सकता है	सांस्कृतिक समरूपता का खतरा
संस्कृतियों का परिष्कार संभव	पारंपरिक जीवन-मूल्यों के ह्रास की आशंका